PAPER-III
ARAB CULTURE AND ISLAMIC STUDIES

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
   (Name) _____
2. (Signature) _____
   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D 4 9 1 0

Time : **2 1/2** hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

ARAB CULTURE & ISLAMIC STUDIES
अरब संस्कृति और इस्लामी अध्ययन

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I

खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस–बीस (20)** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Write an essay on the contribution of Sir Syed Ahmed Khan as an educationist.
शिक्षाशास्त्री के रूप में सर सैयद अहमद खाँ की सेवाओं पर एक निबंध लिखिये ।

OR / अथवा

Write an essay on the impact of Western Civilization on Contemporary Arabs.
वर्तमान काल में अरबों पर पाश्चात्य सभ्यता के प्रभाव पर एक निबन्ध लिखिये ।

2. Discuss the main features of socio-religious development in Modern Turkey.
आधुनिक तुर्की में सामाजिक एवं धार्मिक उन्नति की मुख्य विशेषताओं पर टिप्पणी कीजिये ।

OR / अथवा

Give an account of Arabic books as a source of Indological studies.
भारतीय विद्या अध्ययन के स्रोत के रूप में अरबी पुस्तकों का विवरण दीजिये ।

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के **तीनों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I
(Islamic Studies)
विकल्प – I
(इस्लामी अध्ययन)

3. Write a note on the development of the Tablighi Jamat under Maulana Muhammad Yusuf.
मौलाना मुहम्मद यूसुफ़ के नेतृत्व में तबलीग़ी जमाअत की उन्नति पर एक नोट लिखिये ।

4. Discuss the contribution of Saeed Nursi as a religious reformer.
धार्मिक सुधारक के रूप में सईद नूरसी की सेवाओं पर टिप्पणी कीजिये ।

5. Give an account of Imam Khomaini as architect of the Islamic Revolution in Iran.
ईरान की इस्लामी क्रान्ति के बानी के रूप में इमाम खुमेनी पर एक नोट लिखिये ।

OR / अथवा

Elective – II
(Arab Culture)
विकल्प – II
(अरब संस्कृति)

3. Write a note on the contribution of Indian Arabic writers to Tafsir Literature.
भारतीय अरबिक लेखकों की तफ़सीर के क्षेत्र में सेवाओं पर एक नोट लिखिये ।

4. Give an account of contemporary Indo-Palestine relations.
समकालीन समय में भारत और फिलिस्तीन के सम्बधों पर एक लेख लिखिये ।

5. Discuss the problems of Indian diaspora in the Gulf region.
अरब खाड़ी में भारतीय प्रवासियों की समस्याओं पर लेख लिखिये ।

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Write a short note on tribal life of the Pre-Islamic Arabs.
इस्लाम पूर्व अरबों के कबाइली जीवन पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये ।

7. Write a note on Prophet Muhammad's life at Madinah.
हज़रत मुहम्मद की मदीना के जीवन काल पर संक्षिप्त नोट लिखिये ।

8. Define the term Ijtihad.
इजतिहाद की परिभाषा दीजिए ।

9. Name the fundamental principles of the Mutazilites.
मुअतज़िली फ़रका के मौलिक सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए ।

10. Give a brief account of the expansion of the Islamic State under the Umayyads.
उमैय्या शासन में इस्लामी राज्य के विस्तार का संक्षिप्त वर्णन कीजिये ।

11. Describe the main circumstances that led to the establishment of the Abbasid Rule.
अब्बासी शासन की स्थापना की मुख्य परिस्थितियों पर टिप्पणी कीजिए ।

12. Write a short note on the Philosophical thought of Ibn-e-Rushd.
इब्ने रुश्द के दार्शनिक विचार पर संक्षिप्त नोट लिखिये ।

13. Evaluate the contribution of Ashraf Ali Thanavi.
अशरफ़ अली थानवी के योगदान की विवेचना कीजिये ।

14. Describe the basic principles of Jamat-e-Islami
जमाते इस्लामी के मौलिक सिद्धान्तों का वर्णन कीजिये ।

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Read the following passage carefully and answer all the five questions in **30** words each :

India acted as an early source of inspiration, especially in wisdom literature and mathematics. About A.H. 154 (771) an Indian traveller introduced in to Baghdad a treatise on astronomy, Siddhānta (Ar. Sindhind), which by order of al-Mansūr was translated by Muhammad ibn-Ibrāhīm al-Fazari (between 796 and 806), who subsequently became the first astronomer in Islam. The stars had ofcourse interested the Arabians since desert days, but no scientific study of them was undertaken until this time. Islam added its impetus to the study of astronomy as a means for fixing the direction in which prayer should be conducted Kaaba-ward. The famous al-Khwārizmi (ea. 850) based his widely known astronomical tables (zij) on al-Fazāri's work and syncretized the Indian and Greek systems of astronomy, at the same time adding his own contribution. Among other translations of astronomical works at this period were those from Persian into Arabic by al-Fazal ibn-Nawbakht, the chief librarian of al-Rashid.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िये और सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिये । प्रत्येक उत्तर कम से कम **30** शब्दों में लिखिये :

अरबों की बौद्धिक जागृति में भारत का भी प्रारम्भ में भाग था, विशेषकर बौद्धिक साहित्य और गणित में 154 हिजरी (771 ई.) के निकट भारत का एक यात्री खगोल विद्या पर एक पुस्तक बग़दाद लाया । खलीफ़ा मनसूर के आदेशानुसार इस सिद्धान्ता (सिन्दहिन्द) का अनुवाद मुहम्मद इब्न इब्राहीम अल फज़ारी (796-806 के बीच) ने किया और परिणाम स्वरूप वही मुसलमानों में प्रथम खगोल विद्याशास्त्री हुआ । अरबों को सहराई समय से ही सितारों में बड़ी रुचि थी, परन्तु इससे पूर्व उन्होंने सितारों का वैज्ञानिक रूप से अध्ययन नहीं किया था, धार्मिक तौर पर भी एक जरूरत यह पैदा हो गई थी कि नमाज़ में काबे की दिशा ठीक-ठीक मालूम की जाए । प्रसिद्ध अलख़्वारिज़मी (मृत्यु 805) ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक ज़ीज की बुनियाद फज़ारी की पुस्तक पर रखी और यूनान व भारत की नजूमी व्यवस्था में समन्वय किया इसी के साथ अपना योगदान भी किया । नजूम की पुस्तकों के कुछ और अनुवाद फारसी भाषा से अरबी में हारून रशीद के पुस्तकालय के मुख्य अधिकारी अल फ़ज़ल इब्न नौबख्त (मृत्यु 815 ई.) ने किये ।

15. Who translated Siddhanta into Arabic; what is the Arabic name of Siddhanta and what subject it deals with ?
सिद्धान्ता का अरबी भाषा में अनुवाद किसने किया ? इसका अरबी नाम क्या था तथा यह किस विषय की पुस्तक है ?

16. Why is Muhammad Ibn Ibrahim al-Fazari known as the first astronomer in Islam ?
मुहम्मद इब्न इब्राहीम अल फ़ज़ारी को मुसलमानों का प्रथम खगोल विद्याशास्त्री क्यों कहा जाता है ?

17. What was the religious reason because of which the Muslim scientists took great interest in astronomy ?
मुसलमान वैज्ञानिकों का खगोल विद्या में रुचि का धार्मिक कारण क्या था ?

18. Identify and write a few sentences about the Muslim scientist who syncretized the Indian and Greek systems of astronomy.
उस मुस्लिम वैज्ञानिक का नाम बताएँ और उसके बारे में कुछ वाक्य लिखें जिसने खगोल विद्या के भारतीय और यूनानी व्यवस्था का समन्वय किया ?

19. Who was the librarian of al-Rashid and what he translated from Persian into Arabic ?
हारून रशीद के पुस्तकालय का मुख्य अधिकारी कौन था ? और उसने फारसी से अरबी भाषा में क्या अनुवाद किया ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....